अपठित गद्यांश

सिकंदर की मृत्यु के बाद जब उसकी अर्थी राजधानी से निकाली गई, तो उसके दोनों हाथ ताबूत से बाहर लटके हुए थे, जिसे देखकर हज़ारों लोग हैरान रह गए। यह अनोखा दृश्य सबके मन में सवाल खड़ा कर रहा था कि ऐसा क्यों किया गया। जब एक व्यक्ति ने मंत्री से पूछा, तो उसने बताया कि यह सिकंदर की अंतिम इच्छा थी, जिससे वह लोगों को यह संदेश देना चाहता था कि वह इस संसार में खाली हाथ आया था और खाली हाथ ही जा रहा है। उसने जीवन भर जो भी धन, वैभव और विजय प्राप्त की, सब यहीं रह गया। सिकंदर ने अपनी मृत्यु से पहले यह शिक्षा दी कि भौतिक वस्तुएँ अंततः किसी काम की नहीं होतीं, मृत्यु के बाद केवल हमारे अच्छे कर्म और नाम ही साथ जाते हैं। यह दृश्य आज भी मानव जीवन का एक गहरा सत्य और प्रेरणादायक संदेश देता है कि सच्ची संपत्ति हमारे कर्म होते हैं, न कि भौतिक साधन।

गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न 1: सिकंदर की अर्थी देखने लोग क्यों उमड़ पड़े थे?

उत्तर:_____

_____

प्रश्न 2: सिकंदर के हाथ अर्थी से बाहर क्यों लटक रहे थे?

उत्तर:_____

_____

प्रश्न 3: मंत्री ने लोगों को क्या संदेश दिया?

उत्तर:_____

_____

प्रश्न 4: सिकंदर ने मरने से पहले क्या कहा था?

उत्तर:_____

_____

प्रश्न 5: इस गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर:_____

_____

Answer

प्रश्न 1: सिकंदर की अर्थी देखने लोग क्यों उमड़ पड़े थे?

उत्तर: सिकंदर बहुत प्रसिद्ध और शक्तिशाली सम्राट था, इसलिए उसकी मृत्यु पर उसकी अर्थी देखने हजारों-लाखों लोग उमड़ पड़े थे।

प्रश्न 2: सिकंदर के हाथ अर्थी से बाहर क्यों लटक रहे थे?

उत्तर: सिकंदर की इच्छा थी कि उसके हाथ अर्थी से बाहर लटकाए जाएँ, ताकि लोग समझ सकें कि वह खाली हाथ आया था और खाली हाथ ही जा रहा है।

प्रश्न 3: मंत्री ने लोगों को क्या संदेश दिया?

उत्तर: मंत्री ने बताया कि यह तमाशा नहीं, बल्कि एक संदेश है कि सिकंदर सारा वैभव यहीं छोड़कर जा रहा है और जीवन में केवल कर्म और नाम ही साथ जाते हैं।

प्रश्न 4: सिकंदर ने मरने से पहले क्या कहा था?

उत्तर: सिकंदर ने कहा था कि जब उसकी अर्थी निकाली जाए तो उसके हाथ ताबूत से बाहर लटकते हों, ताकि लोग यह देखें कि वह खाली हाथ जा रहा है।

प्रश्न 5: इस गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर: इस गद्यांश से हमें यह सीख मिलती है कि मनुष्य चाहे जितनी भी संपत्ति अर्जित कर ले, मृत्यु के बाद केवल उसके अच्छे कर्म और नाम ही उसके साथ जाते हैं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com